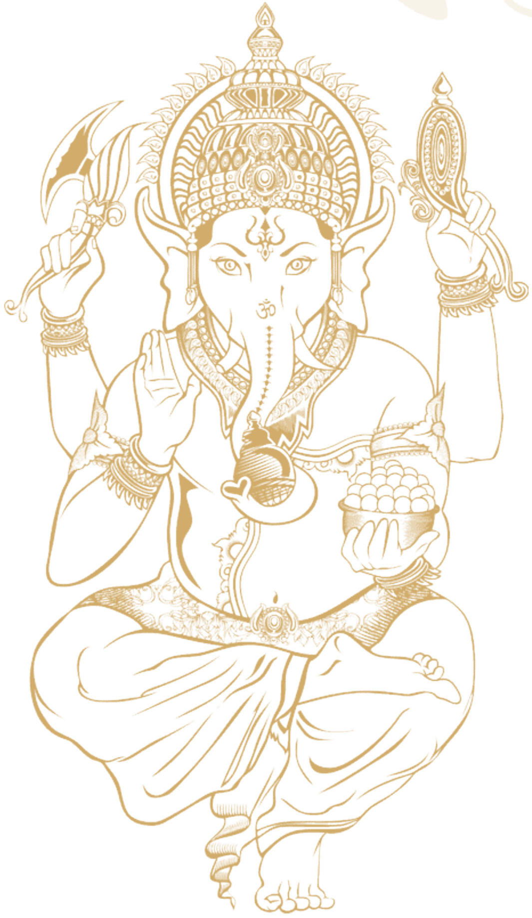

Bhanik Vaishnav

14 Sep 2013

02:10 AM

Pali Marwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121282502

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 13-14/09/2013**
दिन	: शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**: 02:10:00 घंटे**
इष्ट	: 49:31:41 घटी
स्थान	**: Pali Marwar**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 25:46:00 उत्तर
रेखांश	: 73:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:36:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 01:33:44 घंटे
वेलान्तर	: 00:04:03 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:05:43 घंटे
सूर्योदय	: 06:21:19 घंटे
सूर्यास्त	: 18:42:34 घंटे
दिनमान	: 12:21:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 27:09:47 सिंह
लग्न के अंश	: 01:09:26 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**: धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: आयुष्मान
करण	: कौलव
गण	: राक्षस
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	01:09:26	312:07:00	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	---
सूर्य			सिंह	27:09:47	00:58:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			धनु	12:19:30	14:17:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	16:34:57	00:37:37	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध			कन्या	13:22:52	01:35:11	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			मिथु	22:01:50	00:09:00	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	08:57:01	01:09:09	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	14:13:15	00:05:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	उच्च राशि
राहु	व		तुला	14:48:44	00:02:17	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	14:48:44	00:02:17	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	17:15:14	00:02:14	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप	व		कुंभ	09:26:06	00:01:33	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	14:56:58	00:00:12	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	23:46:01	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:06

लग्न-चलित

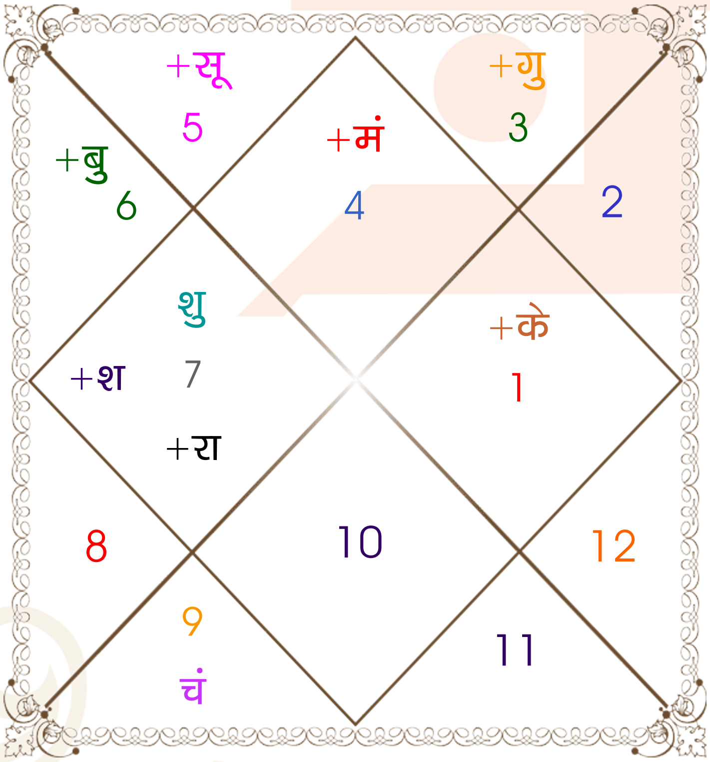

चन्द्र कुंडली

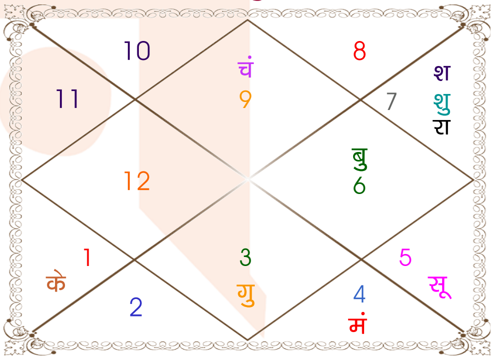

नवमांश कुंडली

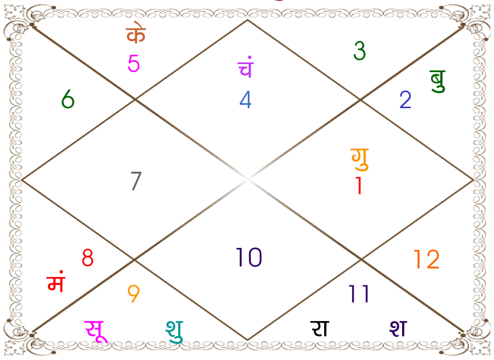

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 6 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
	14/09/2013		26/03/2014		26/03/2034		25/03/2040		26/03/2050
	26/03/2014		26/03/2034		25/03/2040		26/03/2050		26/03/2057
	00/00/0000	शुक्र	25/07/2017	सूर्य	14/07/2034	चंद्र	24/01/2041	मंगल	22/08/2050
	00/00/0000	सूर्य	26/07/2018	चंद्र	12/01/2035	मंगल	25/08/2041	राहु	10/09/2051
	00/00/0000	चंद्र	25/03/2020	मंगल	20/05/2035	राहु	24/02/2043	गुरु	16/08/2052
	00/00/0000	मंगल	26/05/2021	राहु	13/04/2036	गुरु	25/06/2044	शनि	24/09/2053
	00/00/0000	राहु	25/05/2024	गुरु	30/01/2037	शनि	24/01/2046	बुध	22/09/2054
	00/00/0000	गुरु	24/01/2027	शनि	12/01/2038	बुध	26/06/2047	केतु	18/02/2055
	00/00/0000	शनि	26/03/2030	बुध	18/11/2038	केतु	25/01/2048	शुक्र	19/04/2056
	14/09/2013	बुध	24/01/2033	केतु	26/03/2039	शुक्र	24/09/2049	सूर्य	25/08/2056
बुध	26/03/2014	केतु	26/03/2034	शुक्र	25/03/2040	सूर्य	26/03/2050	चंद्र	26/03/2057

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
	26/03/2057		26/03/2075		26/03/2091		27/03/2110		27/03/2127
	26/03/2075		26/03/2091		27/03/2110		27/03/2127		15/09/2133
राहु	07/12/2059	गुरु	13/05/2077	शनि	29/03/2094	बुध	23/08/2112	केतु	23/08/2127
गुरु	01/05/2062	शनि	25/11/2079	बुध	06/12/2096	केतु	20/08/2113	शुक्र	22/10/2128
शनि	07/03/2065	बुध	02/03/2082	केतु	15/01/2098	शुक्र	20/06/2116	सूर्य	27/02/2129
बुध	25/09/2067	केतु	06/02/2083	शुक्र	18/03/2101	सूर्य	26/04/2117	चंद्र	28/09/2129
केतु	12/10/2068	शुक्र	07/10/2085	सूर्य	28/02/2102	चंद्र	26/09/2118	मंगल	25/02/2130
शुक्र	13/10/2071	सूर्य	26/07/2086	चंद्र	29/09/2103	मंगल	23/09/2119	राहु	15/03/2131
सूर्य	06/09/2072	चंद्र	25/11/2087	मंगल	07/11/2104	राहु	11/04/2122	गुरु	19/02/2132
चंद्र	08/03/2074	मंगल	31/10/2088	राहु	14/09/2107	गुरु	17/07/2124	शनि	30/03/2133
मंगल	26/03/2075	राहु	26/03/2091	गुरु	27/03/2110	शनि	27/03/2127	बुध	15/09/2133

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कर्क लग्न, कर्क नवमांश एवं कर्क राशि के द्रेशकाण में हुआ है। जन्मकाल वर्गोत्तम गुण से युक्त एवं अनुकूल जन्म लग्नोदयादि उदित था जिसके प्रभाव से आप भाग्यशाली, अनेक अनुकूलताओं से युक्त, आरामदायक जीवन व्यतीत करनेवाले है। समाज में आपकी स्थिति समृद्धियुक्त एवं जीवन का श्रेय वर्गोत्तम का प्रभाव भगवान की देन प्रमाणित करता है।

आपके जीवन का मुख्य सबक यह है कि आप मस्तिष्क में यह बात सोच लें कि आप निश्चित रूप से उन्नति प्राप्त करेंगे एवं आप किसी भी विषय अथवा कार्य योजना पर निश्चित समय पर निर्णय लेकर, कार्यरूप देना, यह आपका स्वाभाविक जन्मजात विशेषता है। यदि आप तत्क्षण कार्य की सुनिश्चितता नहीं प्राप्त कर सके तो परिणामस्वरूप अनेकानेक सुअवसर का लाभ आपको हस्तगत नहीं हो सकेगा। अस्तु आपको दृढ़तापूर्वक चिन्तन करके कार्य कला नीति लागू करनी चाहिए। ताकि आप लाभ प्राप्ति के परिणाम के अनुसार विजय श्री प्राप्त कर सकें।

आपको दो अन्य अपेक्षित सावधानी के सम्बन्ध में ध्यान देना आवश्यक है। आप जितनी संख्या में सन्तान की प्राप्ति चाहेंगे-उतनी संतान का सुख अवश्य प्राप्त होगा।

आपके शरीर का उपरी भाग बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली रहेगा। जबकि कुछ वर्षों के बाद उदर बड़ा होकर शरीर का निचला भाग दुर्बल हो जायगा। यदि आप बैल की भॉति उदर बढ़ाने की प्रवृति का त्याग करें। अन्य दूसरी बात यह है कि आप अपने पारिवारिक आकृति के सम्बन्ध में सचेत रहे। क्योंकि छोटा परिवार द्वारा उत्तम सुख प्राप्त होता है। इसलिए परिवार के प्रति समर्पित एवं पत्नी के साथ अनुकूलतापूर्वक सम्बंधित रहकर परिवार नियोजन के सिद्धान्त के अनुसार अधिक मात्रा में सन्तानोत्पत्ति पर नियंत्रण रख सकते हैं। यह स्वभाव आप दोनों में किसी का भी आपके पारिवारिक जीवन अथवा देशीय प्रथा के लिए ठीक नहीं है। यह झलक आपके जन्म प्रभाव से परिलक्षित होता है।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप समझौता पूर्वक सचेत रहकर पारिवारिक सुख एवं बच्चों के सुख एवं लाभ के लिए सुनिश्चित कर लें कि आपका परिवारिक जीवन नियंत्रित हो।

सामान्यतया आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य रहने के लिए सचेष्ट रहें, तथा स्वास्थ्य का सम्पोषण करते रहेंगे।

आप अपने स्वस्थ्य के लिए तथा कुछ रोगादि के प्रति सावधान रहें क्योंकि आप मूर्छा रोग, सफेद दाग, हिस्ट्रीया, फोड़ा फुन्सी तथा गले की दिक्कतें सम्बंधी रोग से आक्रान्त हो सकते हैं।

आपके लिए अनुकूल कर्म व्यवसायों में आयात-निर्यात, पर्यटन कार्य, ट्रान्सपोर्ट का कार्य तथा सामुदायिक कार्य करना उत्तम होगा। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य, फैक्ट्री

चलाना, यांत्रिक, रेस्टोरेन्ट खेल सामग्री सुरक्षा एवं पुलिस की नौकरी से सम्बंधित कार्य कर सकते हैं। आप राजनीति के लिए उपयुक्त एवं पूर्ण समर्थ है। सम्बंधित कार्य आपके लिए लाभदायक प्रमाणित होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं कम्पनशील है।

अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए प्रतिकूल है अतः इस अंक के व्यवहार का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद एवं क्रीम रंग, पीला एवं लाल रंग प्रमाणित हो सकता है। हरा एवं ब्लू रंग का सर्वथा त्याग करें।